भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 711

24 जुलाई, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

रीजनल रेपिड ट्रॉंजिट सिस्टम

711. **श्री कृपानाथ मल्लाहः**
श्री तेजस्वी सूर्याः
श्री विष्णु दयाल रामः
श्री अनुराग शर्माः
थी कंवर सिंह तंवरः
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्री मितेश पटेल (बकाभाई):
श्री विजय कुमार दूबेः
श्री दुलू महतोः
श्री पी. सी. मोहनः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री तापिर गावः
डॉ. संजय जायसवालः
श्री सतीश कुमार गौतमः
श्री मनोज तिवारीः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गीः
श्रीमती शोभनायेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
डॉ. विनोद कुमार बिंदः
श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री गोडम नागेशः
श्री पी. पी. चौधरी:
क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) रीजनल रेपिड ट्रॉंजिट सिस्टम (आरआरटीएस) किस प्रकार यात्रा समय को प्रभावी रूप से कम करने, क्षेत्रीय एकीकरण में सुधार लाने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायक है;

(ख) क्या सरकार का विचार एनसीआर के बाहर अन्य तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों में आरआरटीएस मॉडल को लागू करने का है;
(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चिन्हित क्षेत्रों/शहरों के नाम, प्रस्तावित गलियारे, बजटीय आवंटन और कार्यान्वयन की अपेक्षित समय-सीमा क्या है;
(घ) क्या कर्नाटक में बेंगलुरु और उसके आसपास के शहरी और उप-शहरी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश में झांसी, अमरोहा, प्रयागराज और वाराणसी, महाराष्ट्र में पालघर और उसके आसपास के क्षेत्र, झारखंड में धनबाद और बोकारो तथा राजस्थान के कतिपय क्षेत्रों को भी इस उद्देश्य के लिए चिह्नित/चयनित किया गया है
(ड़) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, साथ ही आरआरटीएस के लिए तैयार की गई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है/की जानी है; और
(च) क्या सरकार का भविष्य में उत्तर पूर्वी दिल्ली को आरआरटीएस नेटवर्क से जोडने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क): नमो भारत क्षेत्रीय त्वरित परिवहन प्रणाली (आरआरटीएस) कॉरिडोर की कार्यान्वयन एजेंसी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने यह बताया है कि नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर एक परिवर्तनकारी इन्फ्रास्ट्रक्चर पहल है जो कई शहरी और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करती है। नमो भारत ट्रेनें 180 किमी/घंटा की उच्च गति के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जिनकी परिचालन गति 160 किमी/घंटा है, परिणामस्वरूप यात्रा में कम समय लगता है। इसके अतिरिक्त, नमो भारत कॉरिडोर प्रमुख क्षेत्रीय केंद्रों को तेज गति वाले, विश्वसनीय परिवहन कॉरिडोर के माध्यम से निर्बाध रूप से जोड़कर क्षेत्रीय एकीकरण को मजबूत करता है। यह बड़ी संख्या में कुशल और अकुशल नौकरियों का सृजन करके रोजगार के अवसर भी बढ़ाता है।

(ख) से (च): राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) द्वारा तैयार की गई 'एनसीआर-2032 के लिए परिवहन कार्यात्मक योजना' में महानगर और बड़े शहरों के सिटी सेंटरों, कस्बों और शहरी क्षेत्रों को जोड़ने के लिए आठ रेल आधारित उच्च गति, उच्च फ्रीक्वेंसी रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर के विकास की सिफारिश की गई थी। आठ अनुशंसित आरआरटीएस कॉरिडोर हैं (i) दिल्ली-गुरुग्राम-रेवाड़ी-अलवर (ii) दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ (iii)

दिल्ली-सोनीपत-पानीपत (iv) दिल्ली-फरीदाबाद-बल्लभगढ़-पलवल (v) दिल्ली-बहादुरगढ़-रोहतक (vi) दिल्ली-शाहदरा-बड़ौत (vii) गाजियाबाद-खुर्जा और (viii) गाजियाबाद-हापुड़। भारत के पूर्ववर्ती योजना आयोग (अब नीति आयोग) ने सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (पूर्व में शहरी विकास मंत्रालय) की अध्यक्षता में टास्क फोर्स बनाई है और तीन आरआरटीएस कॉरिडोर, नामतः (i) दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ, (ii) दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी और (iii) दिल्ली-पानीपत, को प्राथमिकता दी है।

*****